मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

अंक : 30

माह : मई 2025

गीतकार

मृदुला वर्मा (स०अ०)

प्रा० वि० अमरौधा प्रथम

अमरौधा, कानपुर देहात

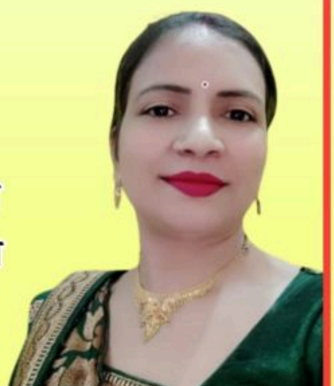

संकलन - मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि टीम

मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि सृजन
माह- मई 2025

विषय- फुलवारी (हिन्दी)
कक्षा- 4 पाठ- 04 (बोलने वाली गुफा भाग- 01)

737

बोलने वाली गुफा

तर्ज-साजन मेरा उस पार है
गीत- सुन्दरवन में एक शेर

सुन्दरवन में एक शेर रहता है
मैं हूँ जंगल का राजा कहता है...2

शेर जंगल में जब दहाड़ लगाता है,
सारे जानवरों का दिल घबराता है।
डर के मारे सब छिप जाते हैं,
इस कारण राजा जी भूखे ही रह जाते हैं।।

सुन्दरवन में एक शेर..2

आज फिर वही दिन आया है,
शेर को कोई शिकार नहीं मिल पाया है।
शिकार की खोज में वह भटकता है,
पर हाथ उसके कुछ नही लगता है।।

सुन्दर वन में एक शेर रहता....2

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि सृजन
माह- मई 2025

विषय- फुलवारी (हिन्दी)
कक्षा- 4 पाठ- 04 (बोलने वाली गुफा भाग- 02)

738

बोलने वाली गुफा

तर्ज-साजन मेरा उस पार है
गीत- सुन्दरवन में एक खूँखार

सुन्दरवन में एक शेर रहता है
मैं हूँ जंगल का राजा कहता है

घूमते हुए गुफा नजर आई थी,
इसमें जानवर की आस लगाई थी।
शेर गुफा मे बैठ जाता है,
अब शिकार करेगा वह कहता है।

सुन्दरवन में एक शेर...2

दिन ढलते अंधेरा छा जाता है,
चाँदनी से जंगल जगमगाता है।
तभी एक लोमड़ी वहाँ आती है,
शेर पदचिह्न देख घबराती है।।

सुन्दरवन में एक शेर रहता था ...2

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

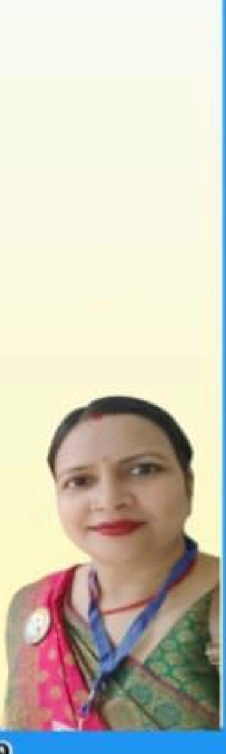

मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि सृजन
माह- मई 2025

विषय- फुलवारी (हिन्दी)
कक्षा- 4 पाठ- 04 (बोलने वाली गुफा भाग- 03)

739

बोलने वाली गुफा

तर्ज-साजन मेरा उस पार है
गीत- सुन्दरवन में एक खूँखार

सुन्दरवन में एक शेर रहता है
मैं हूँ जंगल का राजा कहता है...2

लोमड़ी चालाकी से जान जाती है,
शेर का गुफा में अंदाजा लगाती है।
अगर वह गुफा में जाएगी,
शेर का शिकार बन जाएगी।

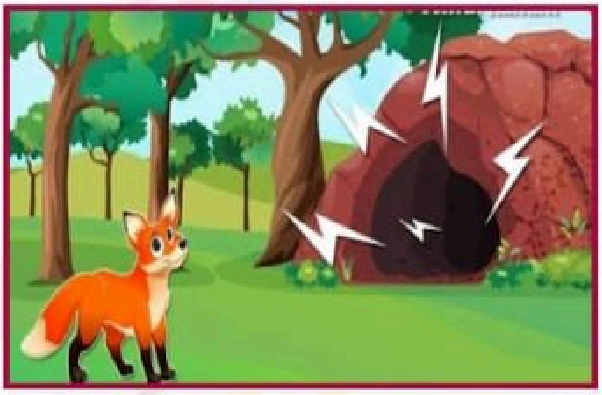

सुन्दरवन मे ...2

लोमड़ी योजना बनाती है,
गुफा को आवाज लगाती है।
शेर उसके झाँसे में आ जाता है,
अन्दर से आवाज लगाता है।।
सुनकर आवाज वो डर जाती है,
जंगल में भाग जान बचाती है

सुन्दरवन में एक शेर रहता है
मैं हूँ जंगल का राजा कहता है...2

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

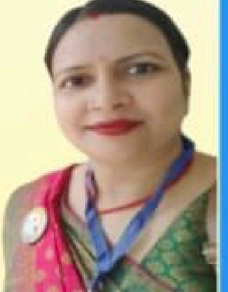

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह- मई 2025

विषय- वाटिका (हिन्दी)
कक्षा- 5 पाठ- 05 (लाल बहादुर शास्त्री- 01)
तर्ज-आओ सुनाऊँ प्यार की एक कहानी
गीत- आओ सुनाऊँ बच्चों

740

लाल बहादुर शास्त्री

आओ सुनाऊँ बच्चों एक कहानी
शास्त्री जी थे वीर बड़े बलिदानी।।..2

2 अक्टूबर 1907 में,
उनका जन्म हुआ था।
डेढ़ वर्ष की उम्र में,
पिता का देहांत हुआ था।।
बड़ी मुश्किल से माँ ने,
इनका लालन पालन किया था।

आओ सुनाऊँ बच्चों एक कहानी
शास्त्री जी थे वीर बड़े बलिदानी।।..2

जो भी करना था, वह देश भक्ति में करने लगे
राष्ट्र उन्नति में आगे बढ़ने लगे ..2
छा रही खुशी, उमंग मन मे,
देश प्रेम वो ऐसा करने लगे थे..

आओ सुनाऊँ बच्चों एक कहानी
शास्त्री जी थे वीर बड़े बलिदानी।।..2

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

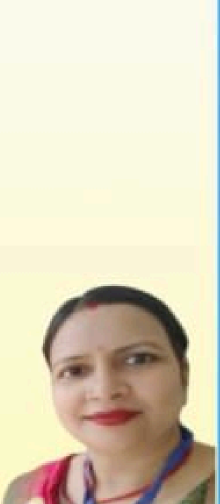

मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि सृजन
माह- मई 2025

विषय- वाटिका (हिन्दी)
कक्षा- 5 पाठ- 05 (लाल बहादुर शास्त्री- 02)

741

लाल बहादुर शास्त्री

तर्ज-आओ सुनाऊँ प्यार की
गीत- आओ सुनाऊँ बच्चों

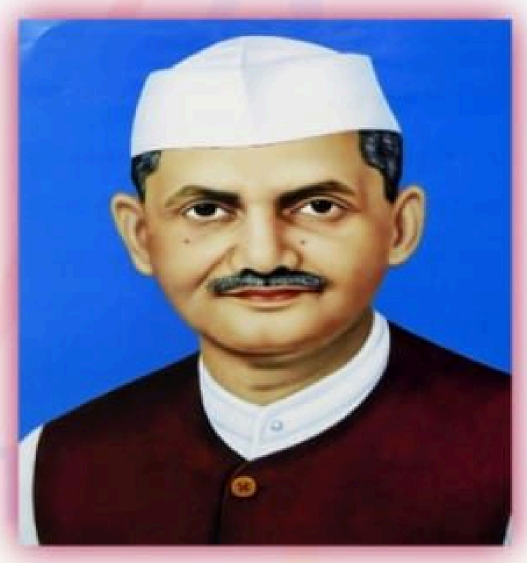

आओ सुनाऊँ बच्चों एक कहानी
शास्त्री जी थे वीर बड़े बलिदानी।।..2

आजादी का प्रण अपने,
मन में लिया था।
प्रथम रेलमंत्री के पद पर,
आपने कार्य किया था।।
जनता के हित में कार्य करने लगे,
अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने लगे थे।

आओ सुनाऊँ बच्चों एक कहानी
शास्त्री जी थे वीर बड़े बलिदानी।।..2

जो भी करना था वो आम,
जनता के लिए करने लगे।
राष्ट्र हित में सदैव,
आगे बढ़ने लगे ..2
हो रही थी प्रशंसा चारों ओर उनकी
जय जवान, जय किसान वो कहने लगे थे..

आओ सुनाऊँ बच्चों एक कहानी
शास्त्री जी थे वीर बड़े बलिदानी।।..2

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

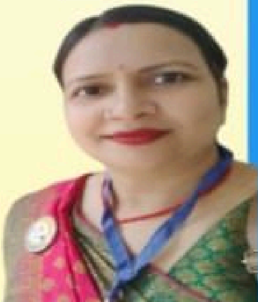

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह- मई 2025

विषय- वाटिका (हिन्दी)

कक्षा- 5 पाठ- 05 (लाल बहादुर शास्त्री- 03)

742

लाल बहादुर शास्त्री

तर्ज-आओ सुनाऊँ प्यार की
गीत- आओ सुनाऊँ बच्चों

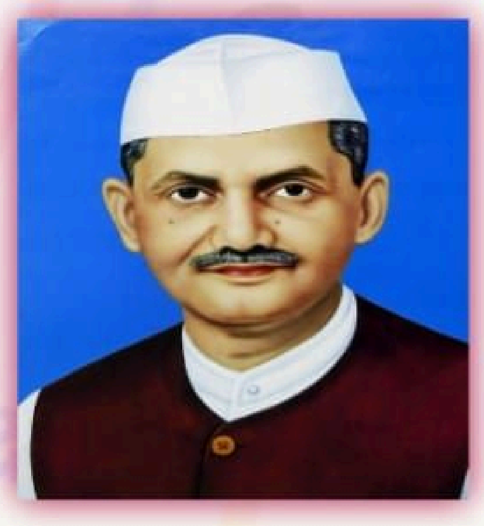

आओ सुनाऊँ बच्चों एक कहानी
शास्त्री जी थे वीर बड़े बलिदानी।।..2

देश प्रेम उनके मन में कूट कूट कर भरा था,
दूसरे प्रधानमन्त्री के पद पर कार्य किया था।
सच्ची देशभक्ति को करने लगे,
जन-जन के वह प्रिय बनने लगे थे।।

आओ सुनाऊँ बच्चों एक कहानी
शास्त्री जी थे वीर बड़े बलिदानी।।..2

जो भी करना था वो,
ईमानदारी से करने लगे।
राष्ट्र हित में समर्पित हो,
आगे बढ़ने लगे ..2
हो रही थी चर्चा सादगी की उनकी,
गॉधी वादी विचारो संग बढ़ने लगे थे..

आओ सुनाऊँ बच्चों एक कहानी
शास्त्री जी थे वीर बड़े बलिदानी।।..2

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

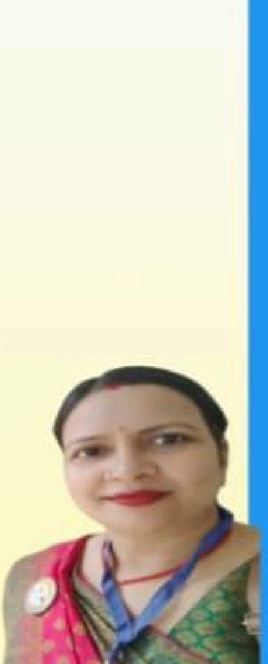

मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि सृजन
माह- मई 2025

विषय- फुलवारी (हिन्दी)
कक्षा- 4 पाठ- 01 (हे जग के स्वामी! भाग- 01)

743

हे जग के स्वामी

तर्ज- लगी आज सावन की फिर वो
गीत- ईश्वर ने प्रकृति अद्भुत रची है

ईश्वर ने प्रकृति अद्भुत रची है
कण-कण में इसके सुन्दरता भरी ..2

जल, थल सब चमक रहे हैं,
चमन में ढेरों फूल खिल रहे हैं।
सूरज की किरणे जब धरती पर पड़ी हैं,
मेरे संग संग धरती खिल गई है।।

ईश्वर ने प्रकृति अद्भुत रची है,
कण कण में इसके सुन्दरता भरी ..2

कोई काश यह सुन्दरता तो देखें,
प्रकृति के नजारे मन में भर ले।
यह दुनिया है अद्भुत ईश्वर ने बनायी,
कोई तो इस बात को समझ ले।।

ईश्वर ने प्रकृति अद्भुत रची है
कण कण में इसके सुन्दता भरी ..2

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि सृजन
माह- मई 2025

विषय- फुलवारी (हिन्दी)
कक्षा- 4 पाठ- 01 (हे जग के स्वामी! भाग- 02)

744

हे जग के स्वामी

तर्ज- लगी आज सावन की फिर वो
गीत- ईश्वर ने प्रकृति अद्भुत रची है

ईश्वर ने प्रकृति अद्भुत रची है
कण-कण में इसके सुन्दरता भरी ..2

ईश्वर की कृपा बरस रही है,
हवा भी संग संग बह रही है।
पेड़ों पर पक्षी चहचहा रहे हैं,
खुशियों के मंगल गीत गा रहे हैं।।

ईश्वर ने प्रकृति अद्भुत रची है,
कण-कण में इसके सुन्दरता भरी ..2

कोई काश नदियों की
कल-कल को सुन ले,
यह मधुरम सा सुन्दर
संगीत मन मे भर ले ।।
मौसम था सुहाना अंधेरा नहीं था,
प्रकृति का सुन्दर नजारा यहीं था।

ईश्वर ने प्रकृति अद्भुत रची है
कण-कण में इसके सुन्दता भरी ..2

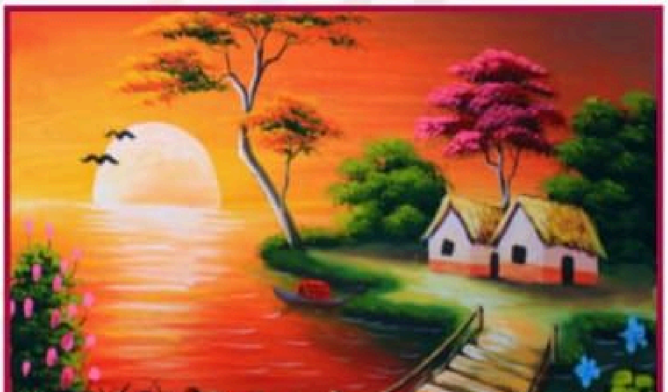

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

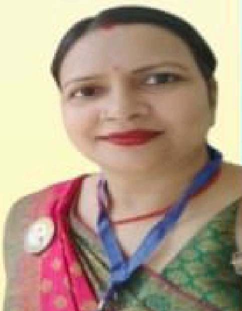

मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि सृजन
माह- मई 2025

विषय- प्रकृति
कक्षा- 05 पाठ- 08
(भोज्य पदार्थों का संरक्षण भाग- 01)

745

भोज्य पदार्थों का संरक्षण

तर्ज- चेहरा है या चाँद खिला है
गीत- प्यारे बच्चों जिस भोजन को

प्यारे बच्चों! जिस भोजन को,
हम सब मिलकर खाते हैं।
इस भोजन को कैसे रखे सुरक्षित,
ये सब तुम जानते हो क्या?..2

भोजन को खुला रखने पर,
उसमें कीटाणु पनपते हैं।
फफूँदी भी लग जाती है,
उसमें जब नमी रखते हैं..2

ऐसे भोज्य पदार्थों का,
स्वाद बदल जाता है।
दूषित हो जाता है वह भोजन,
और नुकसान पहुँचाता है..2

प्यारे बच्चों! जिस भोजन को,
हम सब मिलकर खाते हैं।
इस भोजन को कैसे रखे सुरक्षित,
ये सब तुम जानते हो क्या?..2

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि सृजन
माह- मई 2025

विषय- प्रकृति
कक्षा- 05 पाठ- 08
(भोज्य पदार्थों का संरक्षण भाग- 02)

746

भोज्य पदार्थों का संरक्षण

तर्ज- चेहरा है या चाँद खिला है
गीत- प्यारे बच्चों जिस भोजन को

आओ जाने किन विधियों से,
भोजन सुरक्षित रहता है।
सर्दी, गर्मी या हो बरसात,
भोज्य पदार्थो का संरक्षण होता है।।

धूप में भोज्य पदार्थ को सुखाना,
निर्जलीकरण कहलाता है।
अनाज, पापड़ और चिप्स को,
धूप में ही सुखाया जाता।।

गुथा हुआ आटा, हरी सब्जियाँ,
ठण्डी जगह पर स्टोर करते है।।
फल सब्जियाँ फ्रिज में अधिक
समय तक सुरक्षित रहते हैं।।

प्यारे बच्चों! जिस भोजन को,
हम सब मिलकर खाते हैं।
इस भोजन को कैसे रखे सुरक्षित,
ये सब तुम जानते हो क्या?..2

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

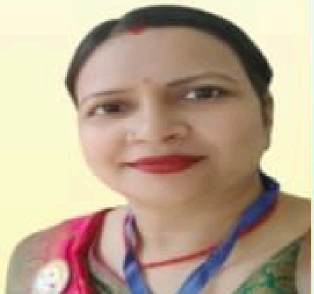

मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि सृजन
माह- मई 2025

विषय- प्रकृति
कक्षा- 05 पाठ- 08
(भोज्य पदार्थों का संरक्षण भाग- 03)

747

भोज्य पदार्थों का संरक्षण

तर्ज- चेहरा है या चाँद खिला है
गीत- प्यारे बच्चों जिस भोजन को

प्यारे बच्चों! जिस भोजन को,
हम सब मिलकर खाते हैं।
इस भोजन को कैसे रखे सुरक्षित,
ये सब तुम जानते हो क्या?..2

दूध को उबालकर जीवाणु,
रहित किया जाता है।
पीने का पानी भी इस विधि से,
शुद्ध किया जाता है।।

पाश्चुरीकरण की प्रक्रिया से भी,
हम भोजन को बचाते हैं।
दूध पैकेट बन्द डेरी प्रोडक्ट,
ऐसे ही सुरक्षित रखे जाते हैं।।...2

प्यारे बच्चों! जिस भोजन को,
हम सब मिलकर खाते हैं।
इस भोजन को कैसे रखे सुरक्षित,
ये सब तुम जानते हो क्या?..2

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

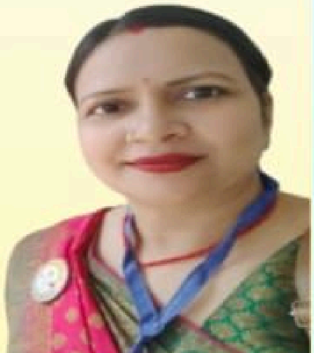

मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि सृजन
माह- मई 2025

विषय- वाटिका (हिन्दी)
कक्षा- 05 पाठ- 07
(रमईया की हरी भरी दुनिया- 01)

748

जीवन के रंग

तर्ज- जाओ तुम चाहे जहाँ
गीत- रमईया का था एक सपना

रमईया का था एक ही सपना
हरियाली ही हरियाली हो यहाँ
नजर जाये जिधर भी
पेड़ पौधे हो वहाँ।..2

रमैया ने अपना जीवन,
पेड़ो को समर्पित किया।
शादी हो या जन्मदिन,
उपहार में पौधा दिया।।..2
मन मे बसाया अपने
पेड़ो का अलग जहान

रमईया का था एक सपना
हरियाली ही हरियाली हो यहाँ
नजर जाये जिधर भी
पेड़-पौधें हो वहाँ।..2

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

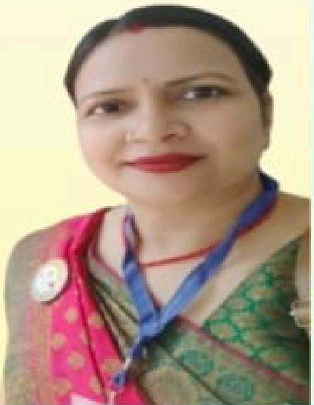

मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि सृजन
माह- मई 2025

विषय- वाटिका (हिन्दी)
कक्षा- 05 पाठ- 07
(रमईया की हरी भरी दुनिया- 02)

749

जीवन के रंग

तर्ज- जाओ तुम चाहे जहाँ
गीत- रमईया का था एक सपना

रमईया का था एक ही सपना
हरियाली ही हरियाली हो यहाँ
नजर जाये जिधर भी
पेड़ पौधे हो वहाँ।..2

मास्टर जी ने उसे बताया,
पेड़ देते हैं फल, फूल और छाया।
बदले में कुछ न लेते,
पेड़ों की है सारी माया।।..2

पेड़ पौधों का है अलग,
अपना सुन्दर संसार ..2

रमईया का था एक सपना
हरियाली ही हरियाली हो यहाँ
नजर जाये जिधर भी
पेड़-पौधें हो वहाँ।..2

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

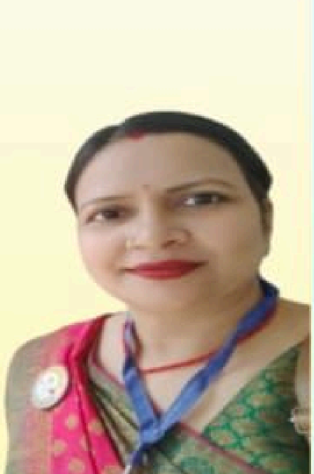

मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि सृजन
माह- मई 2025

विषय- वाटिका (हिन्दी)
कक्षा- 05 पाठ- 07
(रमईया की हरी भरी दुनिया- 03)

750

जीवन के रंग

तर्ज- जाओ तुम चाहे जहाँ
गीत- रमईया का था एक सपना

रमईया का था एक ही सपना
हरियाली ही हरियाली हो यहाँ
नजर जाये जिधर भी
पेड़-पौधे हो वहाँ।..2

रमइया जहाँ भी जाता,
लोगों में जागरूकता फैलाता।
हरियाली लाने का,
सबको सन्देशा सुनता...2

पेड़-पौधों का सपना,
हो जाये साकार ..2

रमईया का था एक सपना
हरियाली ही हरियाली हो यहाँ
नजर जाये जिधर भी
पेड़-पौधें हो वहाँ।..2

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

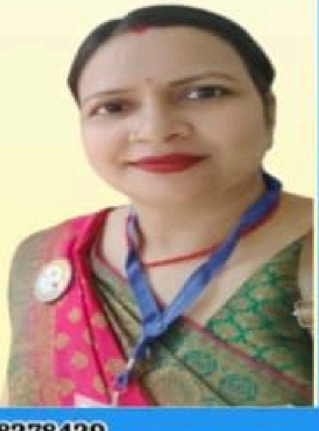

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि सृजन
माह- मई 2025

विषय- प्रकृति
कक्षा- 05 पाठ- 12
(आपदाएँ और उनसे बचाव- 01)

751

आपदाएँ और उनसे बचाव

तर्ज- तुम्हें अपना साथी बनाने से पहले
गीत- स्वस्थ जीवन जीने की खातिर

स्वस्थ जीवन जीने की खातिर
आपदा प्रबंधन करना पड़ेगा
दुर्घटना न हो आसपास हमारे
हमें जागरुक भी बनना पड़ेगा..2

कहाँ से आती है यह आपदाएँ?
ये भूकम्प, ये बाढ़ और सुनामी।
लोगों के पास अभी कम है जानकारी,
और जागरूक बनाना पड़ेगा..2

मगर जब वह जागरूक हो जायेंगे तब,
तो लोगों का जीवन बच सकेगा..2

स्वस्थ जीवन जीने की खातिर
आपदा प्रबंधन करना पड़ेगा
दुर्घटना ना हो आसपास हमारे
हमें जागरुक भी बनना पड़ेगा..2

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

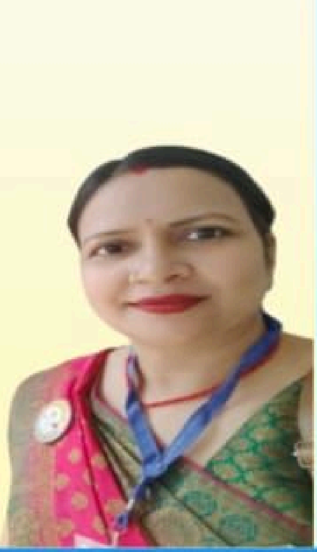

मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि सृजन
माह- मई 2025

विषय- प्रकृति
कक्षा- 05 पाठ- 12
(आपदाएँ और उनसे बचाव- 02)

752

आपदाएँ और उनसे बचाव

तर्ज- तुम्हें अपना साथी बनाने से पहले
गीत- स्वस्थ जीवन जीने की खातिर

स्वस्थ जीवन जीने की खातिर
आपदा प्रबंधन करना पड़ेगा
दुर्घटना न हो आसपास हमारे
हमें जागरुक भी बनना पड़ेगा..2

कहाँ से आती हैं ये मुसीबतें और
कहाँ से राहत सामग्री मिलेगी
जब सब मिलकर चर्चा करेंगे
तो समस्याओं का हल भी मिलेगा
जो ऐसी मुश्किल घड़ी तो
एकदूज की सहायता करना पड़ेगा...2

स्वस्थ जीवन जीने की खातिर
आपदा प्रबंधन करना पड़ेगा
दुर्घटना ना हो आसपास हमारे
हमें जागरुक भी बनना पड़ेगा..2

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

माह- मई 2025

विषय- संस्कृत सुधा
कक्षा- 04 पाठ- 14
(स्वच्छता भाग- 01)

753

स्वच्छता

तर्ज- नगरी हो अयोध्या सी
गीत- स्वच्छता हो गाँव में

स्वच्छता हो हर गाँव में
हर घर में खुशहाली हो
स्वर्ग से भी सुन्दर
यह धरती हमारी हो।।...2

हो चारों ओर हरियाली,
स्वच्छ वातावरण हो।
साफ और स्वच्छ अपने,
हर घर आँगन हो..2

हरियाली हो हर गाँव में
हर घर में खुशहाली हो
स्वर्ग से भी सुन्दर
यह धरती हमारी हो।।...2

पर्यावरण स्वच्छ हो,
सबका स्वास्थ्य भी उत्तम हो।
कहीं गन्दगी कूड़ा न फैले,
सब ओर खुशहाली हो..2

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

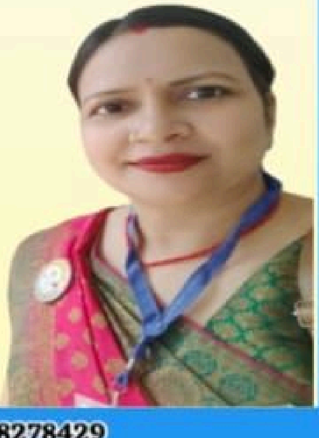

मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि सृजन
माह- मई 2025

विषय- संस्कृत सुधा
कक्षा- 04 पाठ- 14
(स्वच्छता भाग- 02)

754

स्वच्छता और हरियाली

तर्ज- नगरी हो अयोध्या सी
गीत- स्वच्छता हो गाँव में

स्वच्छता हो हर गाँव में
हर घर में खुशहाली हो
स्वर्ग से भी सुन्दर
यह धरती हमारी हो।।...2

गाँव में हो साफ सफाई,
कहीं कचड़ा न फैला हो।
सड़के भी हो साफ,
कहीं पानी न भरा हो।।

हरियाली हो हर गाँव में
हर घर में खुशहाली हो
स्वर्ग से भी सुन्दर
यह धरती हमारी हो।।...2

पेड़ों की हरियाली हो,
फूलों से भरी डाली हो।
जिसमें बच्चे खेल खेलें,
ऐसा सुन्दर सा बगीचा हो।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

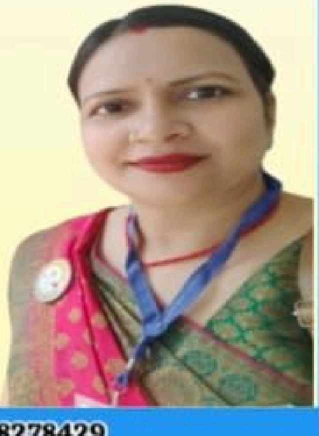

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह- मई 2025

विषय- संस्कृत सुधा
कक्षा- 04 पाठ- 15
(सदाचार भाग- 01)

755

सदाचार

तर्ज- आओ बसाएँ मन मन्दिर मे
गीत- आओ बताएँ बच्चों तुमको

आओ बताएँ बच्चों तुमको
बातें यें बड़े काम की
अपना लो इनको जीवन में
आदते बदलो सुबह शाम की ..2

देर से सोना, देर से उठाना,
हम सबका जारी था।
आलस ने भी सबके ऊपर,
डेरा अपना डाला था।।
सुबह उठे तो हमने जाना,
आदत ये है बड़े काम की।
अपना लो इसको जीवन मे,
आदत बदलो सुबह शाम की।।

आओ बताएँ बच्चों तुमको
बातें यें बड़े काम की
अपना लो इनको जीवन में
आदते बदलो सुबह शाम की ..2

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

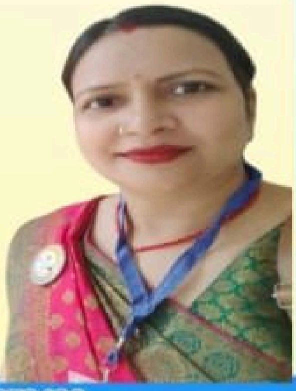

मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि सृजन
माह- मई 2025

विषय- संस्कृत सुधा
कक्षा- 04 पाठ- 15
(सदाचार भाग- 02)

756

सदाचार अपनाओ

तर्ज- आओ बसाएँ मन मन्दिर मे
गीत- आओ बताएँ बच्चों तुमको

आओ बताएँ बच्चों तुमको
बातें यें बड़े काम की
अपना लो इनको जीवन में
आदते बदलो सुबह शाम की ..2

बात-बात में झगड़ा करना,
लोगों ने अपनाया था।
हँसी खुशी से मिलकर रहना।
देखो! सबने बुलाया था।।

अपना लो इनको जीवन में।
आदते बदलो सुबह शाम की ..2

झगड़ा करना बात बुरी है,
नहीं ये किसी काम की।
मिलकर रहने की आदत डालो,
ये बात है बड़े काम की।।

आओ बताएँ बच्चों तुमको
बातें यें बड़े काम की
अपना लो इनको जीवन में
आदते बदलो सुबह शाम की ..2

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

माह- मई 2025

विषय- प्रकृति
कक्षा- 05 पाठ- 07
(जंगल और जनजीवन भाग- 01)

757

पेड़-पौधे लगाओ

तर्ज- धीरे-धीरे प्यार को बढ़ाना है
गीत- धीरे-धीरे पेड़-पौधे लगाना

धीरे-धीरे पेड़ पौधे लगाना है
जंगलों को हमें बचाना है...2

धरती अब हरी होगी,
पौधों से भरी होगी।
इतने पेड़ मिलकर,
लगाएँगे हम।।
हमें बस धरती को बचाना है,
पेड़ पौधे लगाना हैं।।

धीरे-धीरे पेड़ पौधे लगाना है
जंगलों को हमें बचाना है...2

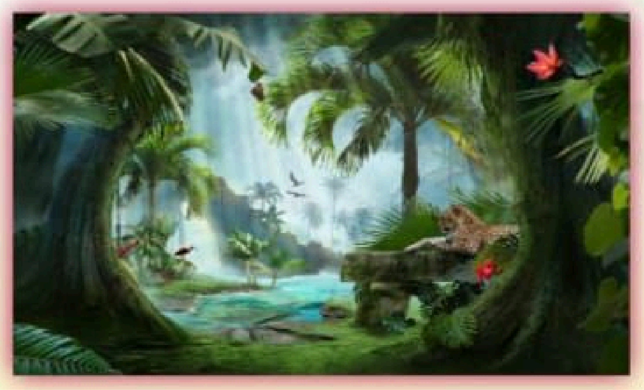

धरती फूलों से भरी होगी,
सब जगह खुशी होगी।
जीवों की सुरक्षा भी,
कर सकेंगे हम।।
हमें जीवो को भी बचाना है,
पेड़-पौधें लगाना है।

धीरे-धीरे पेड़ पौधे लगाना है
जंगलों को हमें बचाना है...2

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

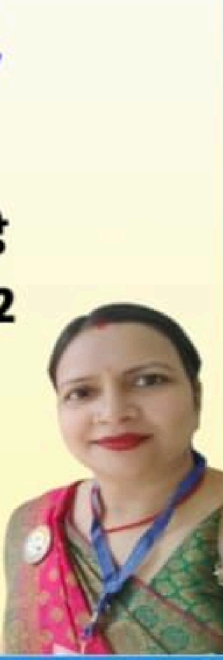

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि सृजन
माह- मई 2025

विषय- प्रकृति
कक्षा- 05 पाठ- 07
(जंगल और जनजीवन भाग- 02)

758

जंगल और जनजीवन

तर्ज- धीरे-धीरे प्यार को बढ़ाना है
गीत- धीरे-धीरे पेड़-पौधे लगाना

धीरे-धीरे पेड़ पौधे लगाना है
जंगलों को हमें बचाना है...2

वन जीवों की रक्षा होगी,
पेड़ों से वर्षा होगी।
ऑक्सीजन वृक्षों से,
खूब पाएँगे हम।।
हमें पर्यावरण बचाना है,
पेड़ पौधे लगाना।।

धीरे-धीरे पेड़ पौधे लगाना है
जंगलों को हमें बचाना है...2

वातावरण अब शुद्ध होगा,
प्रदूषण से मुक्त होगा।
वृक्षों से खूब लाभ पाएँगे हम,
हमें वृक्षारोपण अपनाना है।।
पेड़-पौधे मिलकर लगाना है,

धीरे-धीरे पेड़ पौधे लगाना है
जंगलों को हमें बचाना है...2

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

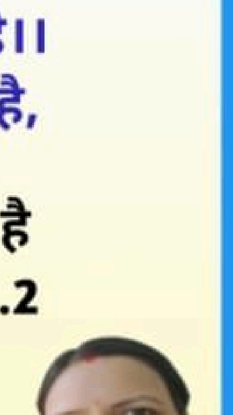

मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि सृजन
माह- मई 2025

विषय- प्रकृति
कक्षा- 05 पाठ- 13
(विज्ञान युगम)

759

विज्ञान

तर्ज- तेरे चेहरे में वो जादू है
गीत- विज्ञान में वो जादू

विज्ञान में वो जादू है
जीवन में बड़ा काम आता है
होते निरन्तर आविष्कार
सबका जीवन बदल जाता है...2

विज्ञान नये अविष्कार कराता,
सबके जीवन को सरल बनाता।
इससे हर कोई लाभ पाता,
करता है निरन्तर बदलाव।।
सबका जीवन बदल जाता है

विज्ञान में वो जादू है
जीवन में बड़ा काम आता है
होते निरंतर आविष्कार
सबका जीवन बदल जाता है...2

विद्युत से प्रकाश हम पाते,
दूरभाष से वार्ता कर पाते।
अपना जीवन सुखमय बनाते,
विज्ञान करता नये आविष्कार।।
सबका का जीवन बदल जाता है

विज्ञान में वो जादू है
जीवन में बड़ा काम आता है...2

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

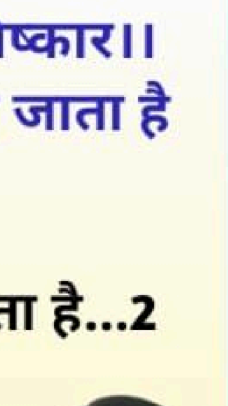

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि सृजन
माह- मई 2025

विषय- प्रकृति
कक्षा- 05 पाठ- 07
(जंगल और जनजीवन भाग- 01)

तर्ज- आओ तुमको चाँद पे
गीत- आओ तुमको कहानी

760

आदि मानव

आओ तुमको कहानी सुनाएँ
आदि मानव के बारे में बताएँ
छोटी-छोटी बातें समझाए
खानपान से परिचित कराएँ...2

इनकी अलग थी दुनिया,
दूर जंगलों में।
जहाँ गुफाओं में रहते,
आदिमानव वहाँ पे।।
ऐसा था इनका जीवन,
खानपान बिल्कुल अलग था।

आओ तुमको कहानी सुनाएँ
आदि मानव के बारे में बताएँ
छोटी-छोटी बातें समझाए
खानपान से परिचित कराएँ...

जानवरों की खाल पहनते,
बन्दरों की तरह चलते।
भोजन की खोज में भटकते,
आदिमानव वहाँ पे।।
ऐसा था इनका जीवन,
भोजन मे कन्दमूल फल खाते।

आओ तुमको कहानी सुनाएँ
आदि मानव के बारे में बताएँ ..2

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

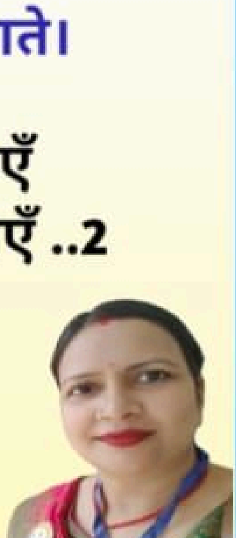

मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि सृजन
माह- मई 2025

विषय- प्रकृति
कक्षा- 05 पाठ- 07
(जंगल और जनजीवन भाग- 02)

तर्ज- आओ तुमको चाँद पे
गीत- आओ तुमको कहानी

761

आदि मानव

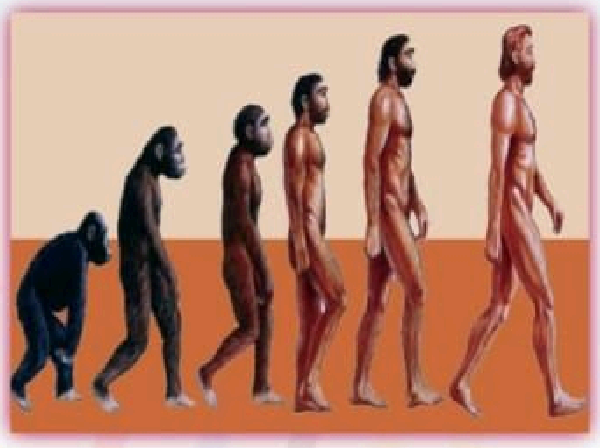

आओ तुमको कहानी सुनाएँ
आदि मानव के बारे में बताएँ
छोटी-छोटी बातें समझाए
खानपान से परिचित कराएँ...2

कच्चा मांस ही खाते,
आदि मानव जंगलों में।
आग का ज्ञान नहीं था,
उनको वहाँ पे।
ऐसा था इनका जीवन ,
जो बिल्कुल अलग है।

आओ तुमको कहानी सुनाएँ
आदि मानव के बारे में बताएँ
छोटी-छोटी बातें समझाए
खानपान से परिचित कराएँ...2

पत्थरों से शिकार करते,
ये जंगलों में।
खेती का ज्ञान नहीं था,
आदिमानव को वहाँ पे।।
ऐसा इनका जीवन था,
जो बिल्कुल अलग है।।

आओ तुमको कहानी सुनाएँ
आदि मानव के बारे में बताएँ...2

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।